

संवाद: 7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था के प्रेरक

प्रलिम्स के लिये:

[नरियात](#), [नविश](#), [पर्यावरणीय स्थरिता](#), [समावेशी विकास](#), [बुनियादी ढाँचा](#), [राजकोषीय घाटा](#), [वदिशी मुद्रा भंडार](#), [एकीकृत भुगतान इंटरफेस \(UPI\)](#)

मेन्स के लिये:

सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धिका महत्त्व और \$7 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था का मार्ग

प्रसंग क्या है?

भारत का लक्ष्य वर्ष 2030 तक अपनी अर्थव्यवस्था को [7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर](#) तक वसितारति करना है, जिसके लिये [वतितीय और बैंकगि कषेत्र के सुधारों](#) पर रणनीतिक ज़ोर देना आवश्यक है।

- वे कारक जो भारत की वृद्धिको [7 ट्रिलियन डॉलर](#) की अर्थव्यवस्था की ओर ले जाएंगे, जनिमें [प्रौद्योगिकी](#), [वति](#), [घरेलू बाज़ारों का एकीकरण](#) और [समावेशी विकास](#) शामिल हैं।

प्रमुख बढि क्या हैं?

- भारत की वृद्धि [अलपावधि](#) में [नरियात](#), [उपभोग](#) और [नविश](#) जैसे कारकों से प्रेरति होगी।
- [पर्यावरणीय स्थरिता](#), [समावेशी विकास](#) और कषेत्रों के बीच [स्थानिक वतिरण](#) पर ध्यान केंद्रति करते हुए विकास की गुणवत्ता महत्त्वपूर्ण है।
- [प्रौद्योगिकी](#), विशेषकर [कृतरमि बुद्धमितता](#), विकास को गति देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभिएगी।
- विकास को समर्थन देने के लिये वति को सतरक [उदारीकरण](#) और [वैश्विक बाज़ारों के साथ एकीकरण](#) की आवश्यकता है।
- समावेशी विकास के लिये [समावेशी विकास](#), [भौतिक कनेक्टविटी](#) और [बुनियादी ढाँचे](#) के विकास का एकीकरण आवश्यक है।
- भारत की GDP अगले सात वर्षों में दोगुनी होने वाली है, जसिमें कई अंतरनहिति [जनसांख्यिकीय लाभ](#) और नीति-आधारति परिवर्तन शामिल हैं।
- एक बड़े [मध्यम वर्ग](#) के साथ संयुक्त रूप से [युवा आबादी](#) का जनसांख्यिकीय लाभांश कई संरचनात्मक सुधारों द्वारा बढ़ाया गया है।
- भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढाँचा, स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन तथा तीव्र वतितीयकरण उच्च, सतत् विकास का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।
- डिजिटलीकरण के उच्च स्तर पर देश की हालिया छलांग (Leapfrogging) पहले से ही कई मायनों में उत्पादकता और दक्षता को बढ़ा रही है।
- वश्व बैंक ने इसी अवधि के लिये अपने पहले के अनुमानों को 1.2 प्रतशित संशोधति करते हुए कहा है कि वर्ष 2024 में भारतीय अर्थव्यवस्था [7.5 प्रतशित की दर](#) से बढ़ने का अनुमान है।
- [वश्व बैंक](#) का अनुमान है कि सेवाओं और उद्योग में लचीली गतिवधिके कारण वतिवर्ष 2024 में भारत की उत्पादन वृद्धि [7.5 प्रतशित तक पहुँच](#) जाएगी। हालाँकि मध्यम अवधि में वृद्धिदर घटकर 6.6 प्रतशित रहने की उम्मीद है।

60, 7, 3, 2 YRS...HOW INDIA'S JOURNEY TO EACH TRILLION KEEPS GETTING SHORTER

Govt's economic review released on Monday targets \$7 trillion GDP by 2030. Barring an unforeseen shock, the goal is achievable

GDP in \$ Tn	Years Taken To Reach Each \$ Trillion	Year Achieved
1	60	2007
2	7	2014
3	7	2021
4	3	2024 F
5	3	2027 F
6	2	2029 F
7	1	2030 F

Can India add \$1tn to its economy in a year? Between 2007 and 2015 China added a trillion to its economy every single year

F: Forecast | GDP in US dollars

भारत का मध्यम अवधिका आउटलुक ग्रोथ क्या कहता है?

- **वशिव बैंक** का अनुमान है कि भारत की सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धिवित्तित वर्ष 2024 में 7.5 प्रतिशत तक पहुँच जाएगी, जबकि वित्तित वर्ष 2025 में यह घटकर 6.6 प्रतिशत रह जाएगी।
- अपेक्षित मंदी मुख्य रूप से पछिले वर्ष की ऊँची गतिसे नविश में गरिवट को दर्शाती है।
- मध्यम अवधिमें, भारत में **राजकोषीय घाटा** और सरकारी ऋण में गरिवट का अनुमान है, जो केंद्र सरकार द्वारा मज़बूत उत्पादन वृद्धितथा समेकन प्रयासों द्वारा समर्थित है।
- **भारत का हालिया आर्थिक प्रदर्शन**
 - वर्ष 2023 की चौथी तमाही में भारत की आर्थिक गतिविधि पछिले वर्ष की तुलना में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ उम्मीदों से अधिक रही, जो कि बढ़े हुए नविश और सरकारी खपत से समर्थित है।
 - भारत का समग्र **क्रय प्रबंधक सूचकांक (Purchasing Managers Index- PMI)** 60.6 पर रहा, जो वैश्विक औसत 52.1 से काफी ऊपर है, जो वसितार का संकेत देता है।
 - मुद्रास्फीति **भारतीय रज़िर्व बैंक** (Reserve Bank of India's- RBI) के लक्ष्य सीमा के भीतर बनी हुई है और वित्तीय स्थितियाँ उदार बनी हुई हैं।
 - **वाणजियिक क्षेत्र में घरेलू ऋण जारी** करने में वर्ष 2023 में वर्ष-दर-वर्ष **14 प्रतिशत की वृद्धि** हुई, वित्तीय सुदृढ़ता संकेतकों में सुधार दिखाई दिया। वर्ष 2024 में **वदिशी मुद्रा भंडार** 8 प्रतिशत बढ़ा।
 - **जनसांख्यिकीय वभिजन**
 - भारत अब चीन को पछाड़कर वशिव का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन गया है और अगले 10 वर्षों में इसकी कामकाजी आबादी में **97 मिलियन लोगों के जुड़ने** का अनुमान है।
 - जैसे-जैसे समृद्धि बढ़ी है, भारत वशिव के सबसे बड़े मध्यम वर्ग का घर भी बन गया है, जो अब **अनुमानति 371 मिलियन** है, जो भीतर से क्रय शक्ति प्रदान करनी जारी रखेगा।
 - कई महत्त्वपूर्ण सुधार किये गए जनिका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के लिये मात्र घरेलू गतिविधियों के अतिरिक्त आर्थिक गतिविधियों में भाग लेने का मार्ग प्रशस्त करना था- जो एक बड़ा जनसांख्यिकीय परिवर्तन है। **वदियुत, रसोई गैस और स्वच्छ जल** जैसी मूल सुविधाओं तक पहुँच सुनिश्चित किये गया जिससे **लकड़ी एकत्र करने** और **जल** लाने की पूरव की आवश्यकताओं में लगने वाले समय की बचत हुई।
- **नीति-आधारित परिवर्तन:**

- वशिष्ट राष्ट्रीय पहचान-पत्र (आधार) के लिये एक अरब भारतीयों की फगिरप्रटिगि और आईरसि स्कैनगि, इसे सभी के लिये सुलभ अल्प लागत वाले बैंक खाते (जन धन) से जोड़ना तथा साथ ही संचार के लिये मोबाइल फोन नंबर से इसे जोड़ना महत्त्वपूर्ण परविरतन थे।
- **JAM टरनिटि (जन धन खाता, आधार, मोबाइल)** की सहायता से सबसडि चोरी की रोकथाम करने में मदद मलि है और **प्रत्यक्ष लाभ अंतरण** के माध्यम से लाखों लोग लाभानवति हुए।
- भारत वर्तमान में **पूर्ण रूप से वदियुतीकृत** है जबकि 20 वर्ष पूर्व यह आँकड़ा मात्र 60% था। **जल जीवन मशिन** जैसी नवीनतम पहल के माध्यम से प्रत्येक ग्राम के हर घर में स्वच्छ जल की आपूर्ति सुनिश्चिती की गई। मशिन के तहत **56% कवरेज** की लक्ष्य प्राप्ती की जा चुकी है और वर्ष 2024 तक पूर्ण कवरेज का लक्ष्य नरिधारति कयिा गया है।
- वनरिमाण उद्योग के लिये **उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन योजना** की सहायता से 6 मिलियन नौकरयिों सृजति करने के लक्ष्य के साथ 14 कषेत्रों में नविश (प्रमुख रूप से नरियात केंद्रति) को प्रोत्साहति कयिा गया।
- **ऊरजा कषेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि:**
 - भारत ने अपने नागरिकों के लिये वदियुत और स्वच्छ खाना पकाने के तरीके उपलब्ध कराने में उल्लेखनीय प्रगतती की है। वर्ष 2019 में लगभग **सभी घरों तक बजिली** की सुवधिा प्रदान की गई। **ऊरजा** मशिरण में **बायोमास** की हसिसेदारी आधे से अधिक घट गई है।
 - **नवीकरणीय ऊरजा लक्ष्यिों** के संदर्भ में भारत COP21 से संबंधति अपने वर्ष 2030 लक्ष्यिों के नरिधारति समय से कम-से-कम नौ वर्ष पहले ही अपने लक्ष्यिों को प्राप्ती करने वाला एकमात्र G20 राष्ट्र बन गया है।
- **डजिटल करान्ति**
 - सरकार के "सुपर ऐप" **उमंग** पर नागरिकों के लिये संघीय और राजय स्तर पर 1,682 सेवाएँ उपलब्ध हैं।
 - वाद की संख्या में कमी करने और स्थानान्तरण के संबंध में सुलभता हेतु सुधार के लिये इसे परविरतति कयिा गया। आयुषमान भारत डजिटल मशिन का उद्देश्य व्यक्तगित स्वास्थय रकिॉर्ड सहति डजिटल स्वास्थय बुनयिादी ढाँचे को एकीकृत करना है।
 - **UPI (यूनफाइड पेमेंट्स इंटरफेस)** संभवतः सबसे सफल डजिटल भुगतान है।
 - **ONDC (ओपन नेटवर्क डजिटल कॉमर्स)** का उद्देश्य ऑनलाइन मार्केटप्लेस के लिये UPI, वभिनिन प्लेटफॉर्म के क्रेताओं और वकि्रेताओं को जोड़ने के लिये एक नेटवर्क-केंद्रति मॉडल की पेशकश करके ई-कॉमर्स में करान्तिलाना है।
- **वतितीयकरण:**
 - **बैंकगि औपचारिकीकरण**, डजिटल भुगतान के माध्यम से बढ़ते अनुपालन और कोवडि-प्रेरति कम ब्याज दरों के कारण **म्यूचुअल फंड तथा प्रत्यक्ष** माध्यम से **इक्विटी बाजारों** में अधिक आवंटन हुआ है।
 - **प्रतिव्यक्ती सकल घरेलू उत्पाद** USD4,000 के नतिपरविरतन बढि तक पहुँचने के साथ, परसिंपत्तयिों का वतितीयकरण भी दोगुना होने की उम्मीद है।

नषिकरष

भारत का वकिस दर सराहनीय रहा है। यह अपने व्यापक और बढ़ते मध्यम वर्ग एवं **युवा कामकाजी वर्ग की बढ़ती आबादी** के साथ प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच वशिष्ट स्थान पर है। अंततः उपर्युक्त रुझानों की सहायता से देश के वशिाल अनौपचारिक कषेत्र का तीव्रता से औपचारिक अर्थव्यवस्था में समावेशन कयिा जा रहा है जसिसे परसिंपत्तयिों के वतितीयकरण में वृद्धि हो रही है। इन सभी संरचनात्मक परविरतनों की सहायता से इस दशक के अंत तक भारत के वशि्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की संभावना है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2017)

1. पछिले दशक में भारत के GDP के प्रतशित के रूप में कर-राजस्व में सतत् वृद्धि हुई है।
2. पछिले दशक में भारत के GDP के प्रतशित के रूप में राजकोषीय घाटे में सतत् वृद्धि हुई है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

प्रश्न. 'एकीकृत भुगतान अंतरापृष्ठ (यूनफाइड पेमेंट्स इंटरफेस/UPI)' को कारयानवति करने से नमिनलखिति में से कसिके होने की सरवाधिक संभाव्यता है? (2017)

- (a) ऑनलाइन भुगतान के लिये मोबाइल वॉलेट आवश्यक नहीं होंगे।

- (b) लगभग दो दशकों में पूरी तरह से भौतिक मुद्रा का स्थान डिजिटल मुद्रा ले लेगी ।
(c) FDI अंतरवाह में भारी वृद्धि होगी ।
(d) नरिधन व्यक्तियों को उपदानों (सब्सिडीज़) का प्रत्यक्ष अंतरण (डायरेक्ट ट्रांसफर) बहुत प्रभावकारी हो जाएगा ।

उत्तर: (a)

??????:

प्रश्न. "तीव्रतर एवं समावेशी आर्थिक संवृद्धि के लिये आधारिक-अवसंरचना में निवेश आवश्यक है ।" भारतीय अनुभव के परिप्रेक्ष्य में विचिना कीजिये । (2021)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/samvaad-what-will-drive-a-7-trillion-economy>

